दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 25.03.2023

प्रकाशनार्थ

दिनांक 25.03.2023 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के **राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों द्वारा महाराणा प्रताप, सुभाष, गोरखनाथ एवं मीराबाई इकाई के विशेष सप्तदिवसीय शिविर के दूसरे दिन प्रार्थना सभा, योगासन, राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत, संकल्प गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ** किया गया। **स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत विषय पर आधरित निबन्ध प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। जिसमें **कुल 33 प्रतियोगियों** ने प्रतिभाग किया। **प्रथम स्थान पर स्वयं सेविका आराध्या दूबे बी.ए.द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर), द्वितीय स्थान सुप्रिया राय बी.एससी. द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर) एवं तृतीय स्थान पर शाम्भवी पाण्डेय बी.एससी. प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर) रहीं। सांत्वना शिखा त्रिपाठी एम.काम.प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर) एवं संजना जायसवाल बी.काम.प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)** ने प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के दूसरे दिन के प्रथम बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. विवेक कुमार शाही, असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि व्यक्तित्व शब्द व्यक्ति के आन्तरिक एवं वाह्य विशेषताओं का समुच्चय है, जो व्यक्ति को उसके वातावरण में समायोजन करने में मदद प्रदान करता है। अधिकांश समय में हम सब व्यक्तित्व को वाह्य आवरण के रूप में ही समझते हैं एवं गुणों को महत्व प्रदान करते है। विद्यार्थियों को आन्तरिक गुणों जैसे अभिवृत्ति, लक्ष्य निर्धारण, लक्ष्य प्राप्त हेतु परीश्रम एवं मूल्यों से सरोकार रखने की अत्यन्त आवश्यकता है। विद्यार्थियों को सकारात्मक अभिवृत्ति रखनी चाहिए, लक्ष्य निर्धारण में Smart-Goal, (specific, Measurable, Achievable, Realistic एवं Timely) विशिष्ट लक्ष्य, विशिष्ट मापन योग्य, प्राप्ति योग्य, वास्तविक एवं समयबद्ध) तकनीक का उपयोग करना चाहिए। लक्ष्य निर्धारण कठिन परीश्रम करके ही सफलता प्राप्त की जा सकती हैं। यदि आप असफल भी हो गये तो सकारात्मक अभिवृत्ति के साथ निरन्तर परिश्रम करेंगे तो आप अवश्य ही सफल होंगे। सफलता के साथ ही माननीय मूल्यों का समावेश भी व्यक्ति के व्यक्तित्व में अवश्य होना चाहिए। क्यों कि बिना मानवीय मूल्यों के एक सफल व्यक्ति समाज के लिए वरदान नहीं अभिशाप साबित हो सकता है।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार यादव द्वारा किया गया। पूरे कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका में **कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पीयूष कुमार सिंह एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि राय** जी की रही। इस अवसर पर **महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह, डॉ. श्याम सिंह, श्री अजय शर्मा, श्री अश्वनी श्रीवास्तव, श्रीमती अंजलि सिंह, स्वयं सेवक में मुख्य रूप से बिपिन जायसवाल, छत्रसाल सिंह, सत्येन्द्र यादव, आयुषी शरन सिंह, साक्षी तिवारी, खुशी राव सहित स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाएं उपस्थित रहे।**

डॉ.(संजय कुमार त्रिपाठी)
वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
मीडिया प्रभारी